

## एक उद्यमी संस्कृति बनाना

**जीएस पेपर 3 :-** भारतीय अर्थव्यवस्था, संसाधन जुटाना, विकास, विकास और रोजगार।

**की-वर्ड्स :-** एमएसएमई, एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम, कौशल और उद्यमिता, जुगाड़, उद्यमिता संस्कृति, समृद्ध (SAMRIDH) योजना, स्टार्ट-अप इंडिया सीड फंड, ASPIRE



**चर्चा में क्यों?**

एमएसएमई और नौकरियों को बढ़ावा देने के लिए उद्यमशीलता की संस्कृति महत्वपूर्ण है।

**प्रसंग:**

- एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम, जिसे 1970 के दशक के अंत में शुरू किया गया था और पूरे देश में लागू किया गया था, अंतिम व्यक्ति के लिए सबसे अधिक चर्चित उद्यम विकास कार्यक्रम था। एक संपत्ति एक बैंक ऋण द्वारा बनाई गई थी और सरकार से प्राप्त पूंजीगत सब्सिडी द्वारा समर्थित थी।
- इस शैली के कार्यक्रम सरकारों द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे हैं। एक सार्वजनिक नीति के रूप में, सरकारी हस्तक्षेप उचित है क्योंकि इसे कार्यबल के साथ जुड़ना चाहिए तथा सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में औपचारिक नौकरियां बहुत कम हैं। ऐसे कार्यक्रम और अधिक सफल हो सकते हैं जब हमारा समाज उद्यमियों को सम्मान देता है और अपने नागरिकों को उद्यमिता का रास्ता चुनने पर

विचार करने के लिए प्रेरित करता है। विश्व मंच पर होने की हमारी आकांक्षा तभी साकार हो सकती है जब उद्यमिता को महत्व दिया जाए, महत्व दिया जाए और उद्यम - छोटे और बड़े - हमारी अर्थव्यवस्था को शक्ति प्रदान करें।

### एंटरप्रेन्योरियल कल्चर कैसे लाएं?

- कौशल और उद्यमिता विकास सबसे अच्छा विकल्प है और सूक्ष्म उद्योग यदि अच्छी तरह से रणनीति बनाए तो कृषि से कार्यबल को अवशोषित कर सकते हैं।

हमारे समाज को उद्यमशीलता की संस्कृति से जोड़ने के लिए यहां कुछ विचार दिए गए हैं।

- उद्यमिता एक मानसिकता है, और इसका अभिविन्यास स्कूलों और कॉलेजों में शुरू होना चाहिए। शिक्षा आम तौर पर अनिवार्यता है, जबकि उद्यमिता अस्तित्ववाद है। देश भर में हर साल इस विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आवश्यक चर्चा पैदा करेंगी। विभिन्न श्रेणियों में नामांकन का आह्वान करना और सफल उद्यमियों को सम्मानित करना हमारे समाज को उद्यमिता के बारे में सोचने पर मजबूर कर सकता है। हाई स्कूल के छात्रों को अपने व्यावसायिक विचारों का परीक्षण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- भारत एक उपमहाद्वीप है और उत्पाद की आवश्यकताएं अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खपत होने वाले उत्पादों का लगभग 70% स्थानीय स्तर पर उत्पादित किया जाता है। उत्कृष्टता के विचार को स्थापित करने और जुगाड़ के विचार को दूर करने के लिए ऐसे उत्पादों की विशेषज्ञता और सुधार आवश्यक है। स्थानीय बाजारों में यह परिवर्तन घरेलू और विदेशी बाजारों में निर्यात को बढ़ावा दे सकता है। इसी दिशा में 'एक जिला एक उत्पाद' पहल है।
- बीए या बीएससी पाठ्यक्रम जैसे सामान्य कौशल के विपरीत, कौशल को स्थानीय आवश्यकताओं के संदर्भ में बनाया जाना चाहिए। उद्यमिता को एनएसडीसी जैसे तंत्र के माध्यम से संस्थागत बनाया जाना चाहिए।
- ग्रामीण स्कूलों में लड़के और लड़कियां अपने पारिस्थितिकी तंत्र को अच्छी तरह से जानते हैं और उन्हें डिजाइन और लाइट इंजीनियरिंग के तत्व सिखाए जाने चाहिए जो उन्हें उद्यम बनाने के लिए प्रेरित कर सकें। उदाहरण के लिए, भारत मुख्य रूप से छोटी जोत वाली कृषि है, लेकिन हमारे पास छोटे किसान के लिए पर्याप्त एगोनॉमिक रूप से डिजाइन किए गए उपकरण नहीं हैं। 'अटल टिंकरिंग लैब्स' इस विचार का पूरक हो सकता है।
- 2014 में कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय का गठन एक महत्वपूर्ण निर्णय था। मंत्रालय ने कौशल अंतराल मूल्यांकन और कौशल कार्यक्रमों जैसी कई पहलों के माध्यम से इस क्षेत्र की काफी समझ हासिल की है। हमारे आईटीआई और टूल रूम ने हमें स्किलिंग पर बहुमूल्य सीख दी। अब 'व्यावसायिक स्कूल' शुरू करने का समय आ गया है क्योंकि ये उद्यमशीलता की संस्कृति को बढ़ावा दे

सकते हैं। इन्हें शुरू करने के लिए, बैंकों और उद्योग (सीएसआर चैनल के माध्यम से) को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जा सकता है।

- एक उद्यम को सेवाओं की एक पूरी श्रृंखला की आवश्यकता होती है - कानूनी, वित्त, लेखा, व्यवसाय से संबंधित जनशक्ति, मशीनरी, आदि। इन संसाधनों को एक सामान्य पूल के माध्यम से उपलब्ध कराने से उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा।

#### स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल:

- **समृद्ध (SAMRIDH) योजना:** सरकार शुरुआती चरणों में स्टार्ट-अप को सहयोग देने की घोषणा के एक सप्ताह बाद, इलेक्ट्रॉनिक्स सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्री (MeitY) ने 25 अगस्त, 2021 को, स्टार्ट-अप एक्सेलरेटर ऑफ MeitY फॉर प्रोडक्ट इनोवेशन, डेवलपमेंट एंड ग्रोथ की शुरुआत की। समृद्ध योजना को स्टार्ट-अप को फंडिंग सहायता प्रदान करने के साथ-साथ कौशल को एक साथ लाने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो उन्हें सफल होने में मदद करेगा।
- **स्टार्ट-अप इंडिया सीड फंड:** जनवरी 2021 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टार्ट-अप की मदद करने और इच्छुक उद्यमियों के विचारों का समर्थन करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये के 'स्टार्ट-अप इंडिया सीड फंड' के शुभारंभ की घोषणा की।
- **स्टार्ट-अप इंडिया पहल:** भारत के प्रधान मंत्री ने वर्ष 2016 में स्टार्ट-अप इंडिया पहल की शुरुआत की। उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देकर धन और रोजगार बढ़ाने का विचार है। सरकार इस योजना के तहत स्टार्ट-अप को कर लाभ देती है और लगभग 50,000 स्टार्ट-अप को इस योजना के माध्यम से 2021 में पांच साल से थोड़ा अधिक की अवधि में मान्यता दी गई है।
- **एस्पायर (ASPIRE) :** सरकार ने भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन के सामाजिक और आर्थिक पहलुओं को सुधारने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं और इस संबंध में भारत सरकार द्वारा स्वीकृत सबसे लोकप्रिय योजनाओं में से एक है एस्पायर। नवाचार, ग्रामीण उद्योग और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक योजना (ASPIRE) भारत सरकार की एक पहल है और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) द्वारा प्रचारित है।

स्रोत : <https://www.thehindubusinessline.com/opinion/creating-an-entrepreneurial-culture/article65453406.ece>

#### प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न:

- Q. हाल ही में खबरों में रही समृद्ध (SAMRIDH) योजना का संबंध किससे है?
- a) स्टार्ट-अप
  - b) शिक्षा
  - c) स्वास्थ्य देखभाल

d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: a

**समृद्ध (SAMRIDH) योजना:** सरकार शुरुआती चरणों में स्टार्ट-अप को सहयोग देने की घोसना के एक सप्ताह बाद, इलेक्ट्रॉनिक्स सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्री (MeitY) ने 25 अगस्त, 2021 को, स्टार्ट-अप एक्सेलरेटर ऑफ MeitY फॉर प्रोडक्ट इनोवेशन, डेवलपमेंट एंड ग्रोथ की शुरुआत की। समृद्ध योजना को स्टार्ट-अप को फंडिंग सहायता प्रदान करने के साथ-साथ कौशल को एक साथ लाने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो उन्हें सफल होने में मदद करेगा।

**मुख्य परीक्षा प्रश्न:**

Q. भारत में उद्यमिता संस्कृति से संबंधित मुख्य समस्याओं की पहचान करें। इन समस्याओं के समाधान के उपाय सुझाए। टिप्पणी करें।